



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

148
31/8/97

सं० 158]

No. 158]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 28, 1997/भाद्र 6, 1919
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 28, 1997/BHADRA 6, 1919

वाणिज्य मंत्रालय

प्रारम्भिक कार्रवाई की अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

विषय : चीन से धातुकर्मीय कोक के आयात के संबंध में प्रतिपाटन जांच की शुरुआत

सं. 8/2/97-ए.डी.डी.—मैसर्स बी. एल. ए. इण्डस्ट्रीज लिमि. ने सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर प्रतिपाटन शुल्क की पहचान, आकलन और वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के अनुसार नाम निर्दिष्ट प्राधिकारी (इसके बाद प्राधिकारी के रूप में उल्लेख किया जाएगा) के समक्ष याचिका दायर की है जिसमें चीन से धातुकर्मीय कोक (आरोपित वस्तुएं) के पाटन का आरोप लगाया गया है और प्रतिपाटन जांच करने एवं प्रतिपाटन शुल्क लगाए जाने का अनुरोध किया है। इस याचिका का उद्योग तथा वाणिज्य संघ द्वारा समर्थन किया गया है जिसके सदस्य भारत में धातुकर्मीय कोक के उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

1. स्थिति : याचिकाकर्तागण उत्पादन का 25% से अधिक और अपने सीधे समर्थकों के साथ उद्योग का 50% से ज्यादा उत्पादन करते हैं। इस प्रकार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की योग्यता को पूरा करने की स्थिति में हैं।

2. विचारार्थी उत्पाद : इस जांच में शामिल उत्पाद चीन जनवादी गणराज्य मूल का या वहां से निर्यात किया गया कम राख वाले कोयले से बना धातुकर्मीय कोक है जिसे सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क शीर्षक 27.04 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। किन्तु यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

3. समान वस्तु : याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित धातुकर्मीय कोक के गुण विचारार्थ उत्पाद से काफी मिलते-जुलते हैं। याचिकाकर्ता ने यह भी प्रस्तुत किया है कि विचारार्थ उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित धातुकर्मीय कोक का तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से स्थानापन्न है, इसलिए घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित धातुकर्मीय कोक को ऊपर की धारा के खण्ड 2 (घ) के अनुसार समान वस्तु माना जा सकता है।

4. (क) सामान्य मूल्य : याचिकाकर्ता ने चीन में उत्पादन लागत के आधार पर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1995 की धारा 9 क(1)(ग)(ii)(ख) के अंतर्गत चीनी मूल्य के धातुकर्मीय कोक के सामान्य मूल्य का अनुमान लगाया है।

(ख) निर्यात मूल्य : याचिकाकर्ता ने वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डी. जी. सी. आई. एस.) कलकत्ता, के आंकड़ों के आधार पर निर्यात मूल्य का दावा किया है।

(ग) पाटन : ऐसा पर्याप्त प्रथम-दृष्टया प्रमाण है कि चीन में धातुकर्मीय कोक के सामान्य मूल्य उस मूल्य से काफी ज्यादा हैं जिस पर इनका भारत को निर्यात किया गया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि चीन के निर्यातकों द्वारा वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

5. क्षति : याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि पाटन किए गए चीनी कोक की मात्रा में 1993-94 से 1996-97 के दौरान 849% की वृद्धि हुई है। बाजार हिस्से में घरेलू उत्पादकों की हाथि 79% से घटकर 41% हो गई है और इसी अवधि के दौरान चीनी कोक के बाजार हिस्से में 9% से 43% की वृद्धि हो गई है। इस अवधि के दौरान लाभ स्तर में महत्वपूर्ण रूप से गिरावट होती जा रही है। पिछले तीन वर्षों में स्टॉक स्तर में वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ताओं ने यह भी कहा है कि उद्योग का क्षमता उपयोग 61% (1993-94) से घटकर 46% (1996-97) हो गया है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापक सामूहिक और संघीय रूप से प्रथम-दृष्टया यह संकेत देते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक हानि हुई है और यह वास्तविक क्षति का खतरा भी पैदा करता है।

6. प्रतिपाटन जांच की शुरुआत : अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी कथित देशों के मूल के या वहां से निर्यात होने वाले सामान के आरोपित पाटन की मौजूदगी, डिग्री और प्रभाव की पाटनरोधी जांच शुरू करते हैं।

7. जांच की अवधि : वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच अवधि 1 अप्रैल, 1996 से 31 मार्च, 1997 है।

8. सूचना प्रस्तुत करना : कथित देशों के निर्यातकों और भारत में ज्ञात संबंधित आयातकों को अलग-अलग लिखा जा रहा है कि वे संगत सूचना और अपनी राय निर्धारित रूप व ढंग से श्री दीपक चटर्जी, निर्दिष्ट प्राधिकारी, वाणिज्य मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को प्रस्तुत कर दें। अन्य हितबद्ध पार्टी भी निर्धारित समयावधि में निर्धारित तरीके से जांच के संबंध में जानकारी प्रस्तुत कर सकती है।

9. समय सीमा : वर्तमान जांच से संबंधित सूचना लिखित में भेजी जाए ताकि वह उपर्युक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिन के अंदर पहुंच सके। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग-अलग लिखा जा रहा है, उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से चालीस दिन के भीतर जानकारी प्रस्तुत करनी होगी।

10. सरकारी भिसिल का निरीक्षण : नियम 6(7) के अनुसार, जांच में भाग लेने वाला कोई इच्छुक पक्ष अन्य इच्छुक पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सरकारी भिसिल का निरीक्षण कर सकता है।

11. ऐसे मामले में जहां हितबद्ध पक्ष सम्पर्क करने से मना करता है अथवा अन्यथा उचित समय के भीतर आवश्यक सूचना नहीं देता है या जांच में महत्वपूर्ण रूप से रुकावट डालता है, वहां प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच-परिणाम रिकार्ड कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सुझाव दे सकते हैं।

दीपक चटर्जी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 28th August, 1997

Subject : Initiation of anti dumping investigation concerning import of Metallurgical Coke from China.

No. 8/2/97-ADD.—M/s BLA Industries Ltd. has filed a petition on behalf of the domestic industry in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of Metallurgical Coke (subject goods) from China and request for anti dumping investigation and levy of anti dumping duties. The petition has been supported by the Industries and Commerce Association whose members represent the manufacturers of Metallurgical Coke in India.

1. **Standing :** The petitioners account for more than 25% of domestic production and alongwith the express supporters of the petition account for more than 50% production by the domestic industry and, therefore, the petitioner satisfies the test of standing to file the petition, on behalf of the domestic industry.

2. Product under Consideration : The product involved in the present investigation is Metallurgical Coke made out of low ash content coal originating in or exported from China PR, classified under Custom heading 27.04 of the Customs Tariff Act. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.
3. Like Article : The petitioner has alleged that the Metallurgical Coke produced by the Domestic industry has characteristics closely resembling those of the product under consideration. The petitioner has also submitted that the product under consideration is technically and commercially substitutable to the Metallurgical Coke produced by the Domestic Industry and, therefore, Metallurgical Coke produced by the Domestic Industry can be considered as like article in terms of Section 2(d) of the Act supra.
4. (a) Normal Value : The petitioner has estimated the normal value of Metallurgical Coke of Chinese origin under Section 9A (1) (c) (ii) (b) of Customs Tariff Act, 1975 on the basis of cost of production in China.
 (b) Export Price : The petitioner has claimed export price on the basis of data from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCIS), Calcutta.
 (c) Dumping : There is sufficient prima facie evidence that the normal value of Metallurgical Coke in China is significantly higher than the price at which it has been exported to India, indicating that the goods are being dumped by the exporters from China.
5. Injury : The petitioner has alleged that the volume of dumped Chinese Coke has increased by 849% during 1993-94 to 1996-97. The loss in the market share of the domestic producers fell from 79% to 41% and there is an increase in market share of Chinese Coke from 9% to 43% during the same period.
 The profit level of the industry has been declining significantly during the period. The inventory levels have increased over the last three years. Petitioners have also stated that the capacity utilization of industry has gone down from 61% (1993-94) to 46% (1996-97). Various indicators relating to domestic industry collectively and cumulatively, prima facie, indicate that the domestic industry has suffered material injury and the same also pose a threat of material injury.
6. Initiation of Anti-Dumping Investigation : The Authority, therefore, initiates anti-dumping investigation into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the said country.
7. Period of investigation : The period of investigation for the purpose of present investigations is 1st April, 1996 to 31st March, 1997.
8. Submission of Information : The exporters in the said countries and importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and make their views known to Shri Dipak Chatterjee, Designated Authority, Ministry of Commerce, Udyog Bhavan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.
9. Time Limit : Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.
10. Inspection of Public File : In terms of Rule 6(7), any interested party participating in the investigations may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.
11. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

DIPAK CHATTERJEE, Designated Authority

